संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -271 गुरूवार ,01 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अखबार पर प्रशासनिक अत्याचार के विरूद्ध संभाग मुख्यालय में सत्याग्रह कल

» सरगुजा में पत्रकारों का सत्याग्रह अगस्त क्रांति की तरह माना जाएगा...

» समस्त पत्रकारों, संपादकों,अखबार मालिकों व पत्रकार संगठनों से समर्थन का आग्रह...

» घटती-घटना संपादक के ऊपर अत्याचार के खिलाफ मुखर हुई कांग्रेस...

» अमानवीय साथ ही द्वेषपूर्ण कार्यवाही की जांच हेतु 8 सदस्यीय कमेटी का कांग्रेस ने किया गठन...

अम्बिकापुर,31 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। दैनिक समाचार-पत्र घटती-घटना के प्रेस कार्यालय अंबिकापुर पर सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर कार्यवाही के विरोध में आगामी 2 अगस्त को समाचार सत्याग्रह का कार्यक्रम रखा गया है,जिसमें कि सभी पत्रकारों, संपादकों,अखबार मालिकों एवं पत्रकार संगठनों से समर्थन व सहयोग की अपेक्षा की गई है। ज्ञात हो कि बीते रविवार को सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा दैनिक घटती-घटना अखबार के संपादक अविनाश सिंह के पितृशोक काल में पड़े होने के बावजूद उनके व्यावसायिक परिसर सह प्रेस कार्यालय को प्रदेश सरकार और विशेषकर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के द्वारा द्वेष भावना से ग्रसित होकर प्रशासन के सहयोग से गिरवा दिया गया था इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री द्वारा संपादक के घर पर देर रात अपना प्रतिनिधि मंडल भेजकर तरह-तरह से दबाव और धमकी देने आदि देने की कोशिश की गई थी जो उसी रात की गई थी जिस रात की सुबह प्रशासन ने संपादक के विरुद्ध उसके प्रतिष्ठान को जमींदोज कराने की कार्यवाही की और प्रतिनिधि बतौर जो लोग पहुंचे थे उसमे एक विहिप का कोरिया जिले का नेता था और एक खुद स्वास्थ्य मंत्री का ओएसडी जिसकी नौकरी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक अधिकारी बतौर लगी है जो आरोप लगातार लग रहा है और जिसकी खबर लगातार दैनिक घटती-घटना प्रकाशित भी करता चला आ रहा था जो स्वास्थ्य मंत्री की नाराजगी की एक वजह बनी। बता दें कि जिस पुत्र पर पिता के निधन का शोक व्याप्त हो उस पर जानबूझकर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा द्वेष भावना से की गई कार्यवाही को लेकर अब समूचे पत्रकार जगत में आक्रोश व्याप्त हैं। पत्रकारों द्वारा इसे अखबार को दबाने की साजिश वाली कार्यवाही बताई जा रही है जिससे कि समाचार सत्याग्रह का कार्यक्रम रखा गया है। पत्रकारों ने विष्णु का सुशासन देने वाली सरकार केकार्यकाल में हुई इस कार्यवाही की निंदा की है।

समाचार-पत्र के कार्यालय पर हुई कार्यवाही को लेकर कांग्रेस ने गठित की 8 सदस्यों की समिति

पितृशोक में पड़े दैनिक घटती-घटना अखबार के संपादक अविनाश सिंह के व्यावसायिक परिसर पर छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के द्वेष भावना के कारण हुई कार्यवाही की निंदा अब सभी तरफ हो रही है। समाचार-पत्र घटती-घटना के कार्यालय परिसर में कथित अतिक्रमण हटाने की घटना को प्रदेश कांग्रेस कमेटी,छत्तीसगढ़ ने गंभीरता से लेते हुए इस घटना की जांच के लिए एक 8 सदस्यों की जांच कमेटी का गठन किया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री जे. पी. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित इस कमेटी को मामले की शीघ्रता से जांच कर रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया गया है। इस कमेटी के अन्य सदस्यों में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री श्री द्वितेन्द्र मिश्रा,अम्बिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री हेमंत सिंह,अधिवक्ता श्री हेमंत तिवारी,महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सीमा सोनी,प्रवक्ता अनूप मेहता एवं आशीष वर्मा और महिला कांग्रेस महामंत्री श्रीमती शकीला सिद्दिकी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई रविवार अवकाश के दिन तड़के 5 बजे प्रशासन ने घटती-घटना समाचार-पत्र के परिसर में मौजूद निर्माण को जमीदोंज कर दिया था।

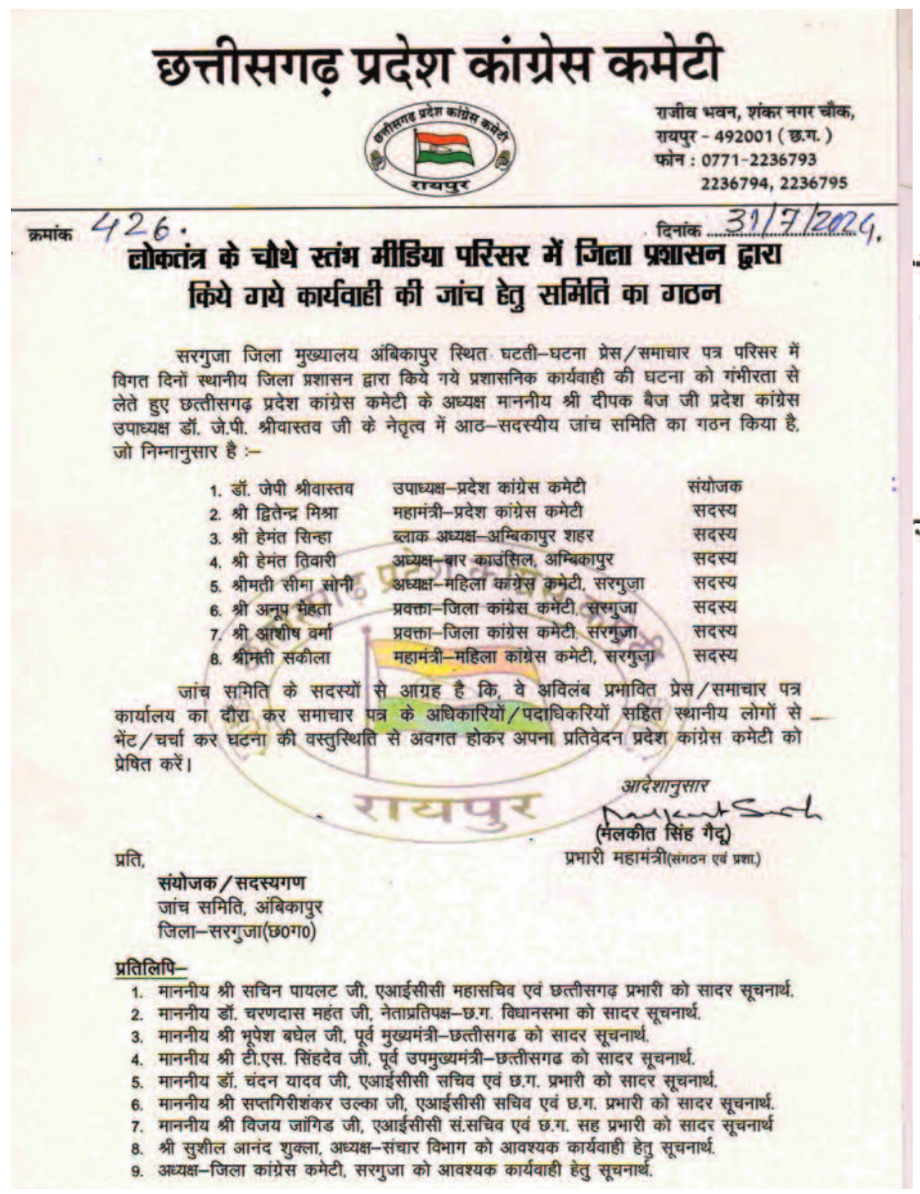

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

राजीव भवन, शंकर नगर चौक,
रायपुर - 492001 (छ.ग.)
फोन : 0771-2236793
2236794, 2236795

क्रमांक 426. दिनांक 31/7/2024.

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया परिसर में जिला प्रशासन द्वारा किये गये कार्यवाही की जांच हेतु समिति का गठन

सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर स्थित घटती–घटना प्रेस/समाचार पत्र परिसर में विगत दिनों स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा किये गये प्रशासनिक कार्यवाही की घटना को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री दीपक बैज जी प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में आठ–सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है, जो निम्नानुसार है :–

1. डॉ. जेपी श्रीवास्तव	उपाध्यक्ष–प्रदेश कांग्रेस कमेटी	संयोजक
2. श्री द्वितेन्द्र मिश्रा	महामंत्री–प्रदेश कांग्रेस कमेटी	सदस्य
3. श्री हेमंत सिन्हा	ब्लाक अध्यक्ष–अम्बिकापुर शहर	सदस्य
4. श्री हेमंत तिवारी	अध्यक्ष–बार काउंसिल, अम्बिकापुर	सदस्य
5. श्रीमती सीमा सोनी	अध्यक्ष–महिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य
6. श्री अनूप मेहता	प्रवक्ता–जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य
7. श्री आशीष वर्मा	प्रवक्ता–जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य
8. श्रीमती सकीला	महामंत्री–महिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा	सदस्य

जांच समिति के सदस्यों से आग्रह है कि, वे अविलंब प्रभावित प्रेस/समाचार पत्र कार्यालय का दौरा कर समाचार पत्र के अधिकारियों/पदाधिकरियों सहित स्थानीय लोगों से भेंट/चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करें।

आदेशानुसार
(मलकीत सिंह गैदू)
प्रभारी महामंत्री(संगठन एवं प्रशा.)

प्रति,
संयोजक/सदस्यगण
जांच समिति, अंबिकापुर
जिला–सरगुजा(छ0ग0)

प्रतिलिपि–
1. माननीय श्री सचिन पायलट जी, एआईसीसी महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी को सादर सूचनार्थ.
2. माननीय डॉ. चरणदास महंत जी, नेताप्रतिपक्ष–छ.ग. विधानसभा को सादर सूचनार्थ.
3. माननीय श्री भूपेश बघेल जी, पूर्व मुख्यमंत्री–छत्तीसगढ को सादर सूचनार्थ.
4. माननीय श्री टी.एस. सिंहदेव जी, पूर्व उपमुख्यमंत्री–छत्तीसगढ को सादर सूचनार्थ.
5. माननीय डॉ. चंदन यादव जी, एआईसीसी सचिव एवं छ.ग. प्रभारी को सादर सूचनार्थ.
6. माननीय श्री सप्तगिरीशंकर उल्का जी, एआईसीसी सचिव एवं छ.ग. प्रभारी को सादर सूचनार्थ.
7. माननीय श्री विजय जांगिड जी, एआईसीसी सं.सचिव एवं छ.ग. सह प्रभारी को सादर सूचनार्थ
8. श्री सुशील आनंद शुक्ला, अध्यक्ष–संचार विभाग को आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ.
9. अध्यक्ष–जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा को आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ.

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

मीडिया संस्थान के खिलाफ हुई कार्यवाही प्रदेश में अघोषित आपातकाल का संकेतःगुलाब कमरो

» सच प्रकाशित करने वाले दैनिक घटती-घटना अखबार के दफ्तर में तो बुलडोजर चल गया...पर क्या स्वास्थ्य मंत्री के क्रेशर व शासकीय जमीन के कब्जे की जांच मुख्यमंत्री जी करा पाएंगे...?

» स्वास्थ्य मंत्री के दो प्रमुख ओएसडी की आपसी स्पर्धा ने सच लिखने वाले अखबार के दफ्तर पर चलवा दिया बुलडोजर...

» मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री भी समझ नहीं पाए उनकी चाल को...?

» कार्यवाही के बाद जितनी ठंडक मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री व जनसंपर्क सहायक आयुक्त के कलेजे को नहीं मिली होगी...उतनी ठंडक आईएएस लॉबी को आगे करने वाले ओएसडी पाण्डेय को मिली...

» शासन की बेशकीमती जमीन...कितने विधायक मंत्री व प्रशासनिक अधिकारी डकार चुके...क्या उनके घरों पर भी चलेगी बुलडोजर...?

» जिस दैनिक घटती-घटना के खबर की वजह से स्वास्थ्य मंत्री बने...उसी अखबार को कुचलना उनका प्रयास कितना सही...?

» श्याम बिहारी को जब विधायक व मंत्री बनना था...तो दैनिक घटती-घटना के संपादक उसके प्रतिनिधि व अखबार सभी अच्छे थे...आज जब खुद बैठे सत्ता में और वही अखबार कमी दिखाने लगा...तो वह उनका दुश्मन हो गया...?

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर, 31 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। भाजपा की छत्तीसगढ़ की नई नवेली सरकार विष्णुदेव साय सरकार आलोचना सहने वाली सरकार नहीं रही...यह भी बुलडोजर वाली सरकार बन गई...और अपना नाम दर्ज कर लिया, इसके लिए वह भी अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के लिए यह बुलडोजर नहीं निकला है...यह भ्रष्टाचार को उजागर करने के कारण निकला बुलडोजर है सरकार का...यह इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि अपने मंत्रिमंडल व अपनी पार्टी व अपनी सरकार की कमियों की हो रही आलोचना को बर्दाश्त नहीं कर पाए...कलम को कुचलने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया... फिर भी क्या कलम को वह कुचल पाएंगे... या फिर अब कलम चलाने वाले पर ही बुलडोजर चलाएंगे...? छप रही कमियों से क्षुब्ध होकर सरकार ने पहले अखबार के शासकीय विज्ञापन को बंद करके दबाव बनाने का प्रयास किया फिर भी जब दबाव काम ना आया तब उन्होंने बुलडोजर का इस्तेमाल किया,सरकार के विज्ञापन बंद करने के फैसले को लेकर दैनिक घटती-घटना अखबार ने कलम बंद अभियान की शुरुआत की और सरकार की आलोचना करने का प्रयास किया और सरकार से ही यह जानने की कोशिश की की आखिर अखबार में क्या छापे?...क्या यह अधिकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का नहीं था...क्या अपने मुख्यमंत्री से यह पूछने का अधिकार अखबार का नहीं था... कि यदि कमियों को ना छापें...तो क्या छापे मुख्यमंत्री जी?...जो बात उनके आईएएस लॉबी को पसंद नहीं आई मुख्यमंत्री की तो बात ही अलग है। इस पूरे कार्यवाही वाले षड्यंत्र में व भाजपा की हो रही फजीहत में आईएएस लॉबी ने मुख्यमंत्री को भी इस्तेमाल कर लिया और मुख्यमंत्री को समझ नहीं आया कि आखिर अपनी ही सरकार के लिए उन्होंने गड्ढा खोद लिया। एक अखबार के दफ्तर को तोड़ने के लिए कांग्रेस सरकार की योजनाओं को निरस्त कर दिया...योजना पूरे प्रदेश के लिए थी ...और आदेश भी पूरे प्रदेश के लिए लेकर आए...लेकिन कार्यालय टूटा सिर्फ उस अखबार का जो अखबार वर्तमान सरकार की आलोचना कर रहा था... उसके मंत्री की कमियों को बता रहा था...और व कमियां भी प्रमाणित है...पर सरकार उन कमियों को दूर करने के बजाय अखबार के दफ्तर को तोड़ना न्याय समझा...।

क्या स्वास्थ्य मंत्री के दो ओएसडी उन्हीं के लिए गड्ढा खोद गए?

क्या स्वास्थ्य मंत्री के विशेष सलाहकार और उनके ओएसडी उनके लिए गड्ढा खोद गए...जो केवल इसलिए खोदा उन्होंने क्योंकि उन्हें यह डर था कि उनकी पोल एक अखबार खोल रहा है...और जो कहीं न कहीं उनकी नौकरी के लिए खतरा है...। स्वास्थ्य मंत्री शायद समझ नहीं सके और उन्होंने तो एक समाचार-पत्र और उसके कार्यालय को जमींदोज करा ही दिया, जबकि वह यह भूल गए कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर उनका यह हमला...उनके राजनीतिक भविष्य के लिए एक काला अध्याय हो जाएगा...और जब-जब उनकी उपलब्धियों की बात होंगी यह एक बात सामने आ जाएगी की वह आलोचनाओं के प्रति धीरजवान नहीं है...वहीं वह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलने की मानसिकता वाले एक राजनीतिज्ञ हैं...। वैसे स्वास्थ्य मंत्री के विशेष सलाहकार खुद ओएसडी के विरुद्ध थे वहीं उनकी पुरानी कोरिया जिले की कहानी भी अभी लोग विस्मृत नहीं कर पाए हैं कैसे हस्ताक्षर फर्जी बताकर खुद को उन्होंने बचाया था।

स्वास्थ्य मंत्री जी...व मुख्यमंत्री जी...व भाजपा सरकार जान लें...आपके द्वारा अखबार के संपादक के विरुद्ध हुई कार्यवाही को जनता देख रही है

देश हो या विदेश राजनीतिज्ञों की आलोचना उनके कार्यों की आलोचना मीडिया करता ही रहता है लेकिन कहीं भी यह देखने को नहीं मिला कि कोई सरकार किसी मीडिया संस्थान को केवल इसलिए नेस्तनाबूत करने का निर्णय पारित कर दे की क्योंकि वह आलोचना सत्य आलोचना सरकार की प्रकाशित कर रही हो। दैनिक घटती-घटना के प्रधान कार्यालय के विरुद्ध हुई द्वेषपूर्ण कार्यवाही अमानवीय कार्यवाही को जनता देख रही है। खासकर सरगुजा की जनता...जो सरगुजा संभाग से आने वाले प्रदेश के मुखिया प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री से जरूर प्रश्नवाचक है...कि क्यों आखिर क्यों...। वैसे दैनिक घटती-घटना को नेस्तनाबूत करने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री मुख्यमंत्री जितनी जल्दीबाजी में नजर आए वह उन दो मामलों में आज तक मौन क्यों हैं जिसका समाचार घटती-घटना प्रकाशित कर रहा था और जिसमे यह तथ्य है कि स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर अधिकारी हैं वहीं स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित भतीजे स्वास्थ्य विभाग में फर्जी डिग्री पर वर्षों से मौज कर रहे हैं और वह कोरिया जिले में कोरोना काल में जमकर भ्रष्टाचार कर चुके हैं और उनका एक नर्सिंग कॉलेज भी है जिसकी भी शिकायत है जांच अधूरी है। वैसे सभी समाचार शिकायतों के आधार पर प्रकाशित किए गए थे वहीं शिकायतकर्ता भी अन्य थे।

स्वास्थ्य मंत्री के कितने काम अवैध हैं...इसकी जांच कब करवा पाएंगे मुख्यमंत्री जी...?

स्वास्थ्य मंत्री के कई व्यवसाय हैं खुद पूर्व विधायक ने उनके उपर कई गंभीर आरोप लगाए थे अब सवाल यह उठता है कि... स्वास्थ्य मंत्री के ऊपर जो आरोप पूर्व कांग्रेस विधायक ने लगाए थे... क्या उनकी जांच सुशासन वाली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री कराएंगे...। स्वास्थ्य मंत्री का क्रेशर उनका अन्य कारोबार पूर्व विधायक का उन पर शासकीय भूमि पर कब्जे का आरोप,क्या जांच होगी...सच बाहर आएगा...या सच दबाकर जांच होगी...क्लीन चिट दिया जायेगा क्योंकि वह सरकार में हैं...।

स्वास्थ्य मंत्री को खुद उनके जिले के विधायक सहित उनके संभाग के विधायक पसंद नहीं कर रहे हैंःसूत्र

सूत्रों की माने तो स्वास्थ्य मंत्री को उनके जिले के विधायक उनके संभाग के भाजपा विधायक ही पसंद नहीं कर रहे हैं। उनके द्वारा डॉक्टरों की पोस्टिंग और उनकी जिम्मेदारी में वृद्धि के दौरान स्थानीय विधायकों के सुझाव का ध्यान नहीं रखा जाता। वैसे हाल में जारी सीएमएचओ पोस्टिंग सूची देखकर समझा जा सकता है कांग्रेस सरकार ने जिन्हे भ्रष्टाचार सहित अन्य आरोपों के कारण हटाया था उन्हें ही फिर जिम्मेदारी मिली है। वैसे ऐसे भी लोग सीएस बनाए गए हैं जिन्हें अनुभव भी कम है वह जूनियर भी हैं वहीं जिनपर कई आरोप हैं। कोरिया जिले में साथ ही सूरजपुर जिले में तो स्वास्थ्य मंत्री जी ने क्रमशः पूर्व भाजपा विधायक के दामाद और अपने एक रिश्तेदार को अवसर दिया है अलग अलग पदों पर जैसा सूत्रों का ही कहना है।

स्वास्थ्य मंत्री अपने विधानसभा के कार्यकर्ताओं के लिए भी आंखों की किरकिरी बन गएःसूत्र

स्वास्थ्य मंत्री अपने ही विधानसभा में कार्यकर्ताओं की आंखो की किरकिरी बन गए हैं। उनके साथ अब अधिकाशं भाजपाई दूरी बना रहे हैं क्योंकि वह उन्हें तव्वजो नहीं दे रहे हैं। वैसे स्वास्थ्य मंत्री का तर्ज यह साबित कर रहा है कि संभाग से वह भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाने वाले हैं आने वाले चुनाव में।

स्वास्थ्य मंत्री अब भाजपा व जनता के नहीं रहे...वह अब सिर्फ व्यापार व व्यापारियों के हो गए...

स्वास्थ्य मंत्री की कार्यप्रणाली अब यह साबित कर रही है...कि वह जनता के लिए नहीं रह गए बल्कि वह व्यापार और व्यापारियों के लिए केवल मंत्री हैं...। छः महीने से भी ज्यादा का उनका कार्यकाल यदि देखा जाए तो वह सुर्खियों में ही बने रहे वह भी ऐसे लोगों के कारण जो स्वास्थ्य विभाग या शासन का अंग केवल कमाई के लिए हैं। भ्रष्टाचार के लिए उनके ओएसडी हों उनके भतीजे हों जो प्रभारी डीपीएम है सभी भ्रष्टाचार से ही जुड़े हुए हैं। कहा जाए तो सुशासन वाली भाजपा की सरकार स्वास्थ्य मंत्री के मामले में कुशासन वाली सरकार साबित हो जाती है,फर्जी डिग्री,फर्जी दिव्यांगता की जांच और कार्यवाही तो दूर इसकी खबर पर समाचार-पत्र को ही नेस्तनाबूत करने निकल चुकी प्रदेश सरकार कहीं न कहीं व्यापारियों के चंगुल में फंस चुकी है और इसके लिए उन्हें व्यापारियों के प्रतिनिधि बतौर स्वास्थ्य मंत्री का साथ मिला हुआ है।

स्वास्थ्य मंत्री के क्रेशर में चल रहा पत्थर का अवैध खनन... क्या होगी कार्यवाही?

स्वास्थ्य मंत्री के क्रेशर में पत्थर का अवैध उत्खनन हो रहा है जैसी सूचना है...क्या इस मामले में कार्यवाही होगी...। वैसे यह प्रश्न की क्या सरकार के उन नुमाइंदों जिनका भ्रष्टाचार से नाता है जिनका भ्रष्टाचार से जुड़ा कारोबार है क्या उन पर कार्यवाही होगी उनसे भी जो स्वास्थ्य मंत्री की तरफ से दैनिक घटती-घटना पर हुई कार्यवाही को न्यायपूर्ण बता रहे हैं और उनसे यह अपील भी की वह भी यह मांग करें की स्वास्थ्य मंत्री की भी जायज अवैध सभी मामलों की जांच की जाए और कार्यवाही हो।

प्रदेश में अघोषित आपातकाल का संकेत

पूर्व विधायक भरतपुर सोनहत गुलाब कमरो ने अम्बिकापुर में दैनिक अखबार के कार्यालय सहित सम्पादक के प्रतिष्ठान पर हुई बुलडोजर कार्यवाही की निंदा करते हुए बदले की कार्यवाही करार दिया,पूर्व विधायक ने कहा कि सरकार के खिलाफ बोलना-लिखना अब सरकार को बर्दास्त नहीं,सरकार के खिलाफ आवाज उठाने पर चलेगा बुलडोजर, मीडिया संस्थान के खिलाफ हुई कार्यवाही प्रदेश में अघोषित आपातकाल का संकेत।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 31 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का बत्तीसवां दिन

कलम बंद...का बत्तीसवां दिन

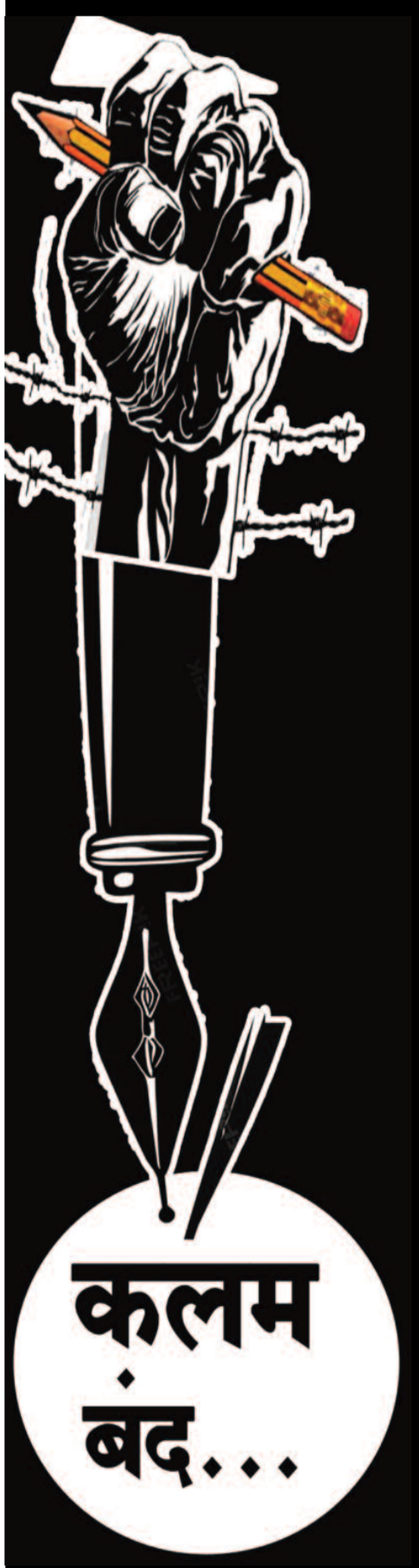

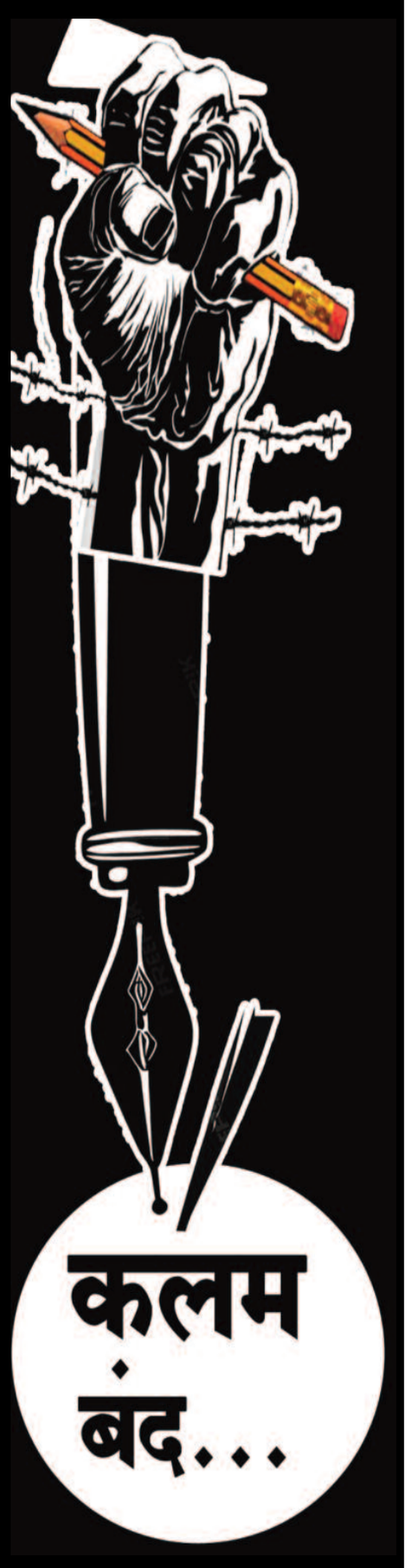

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,31 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

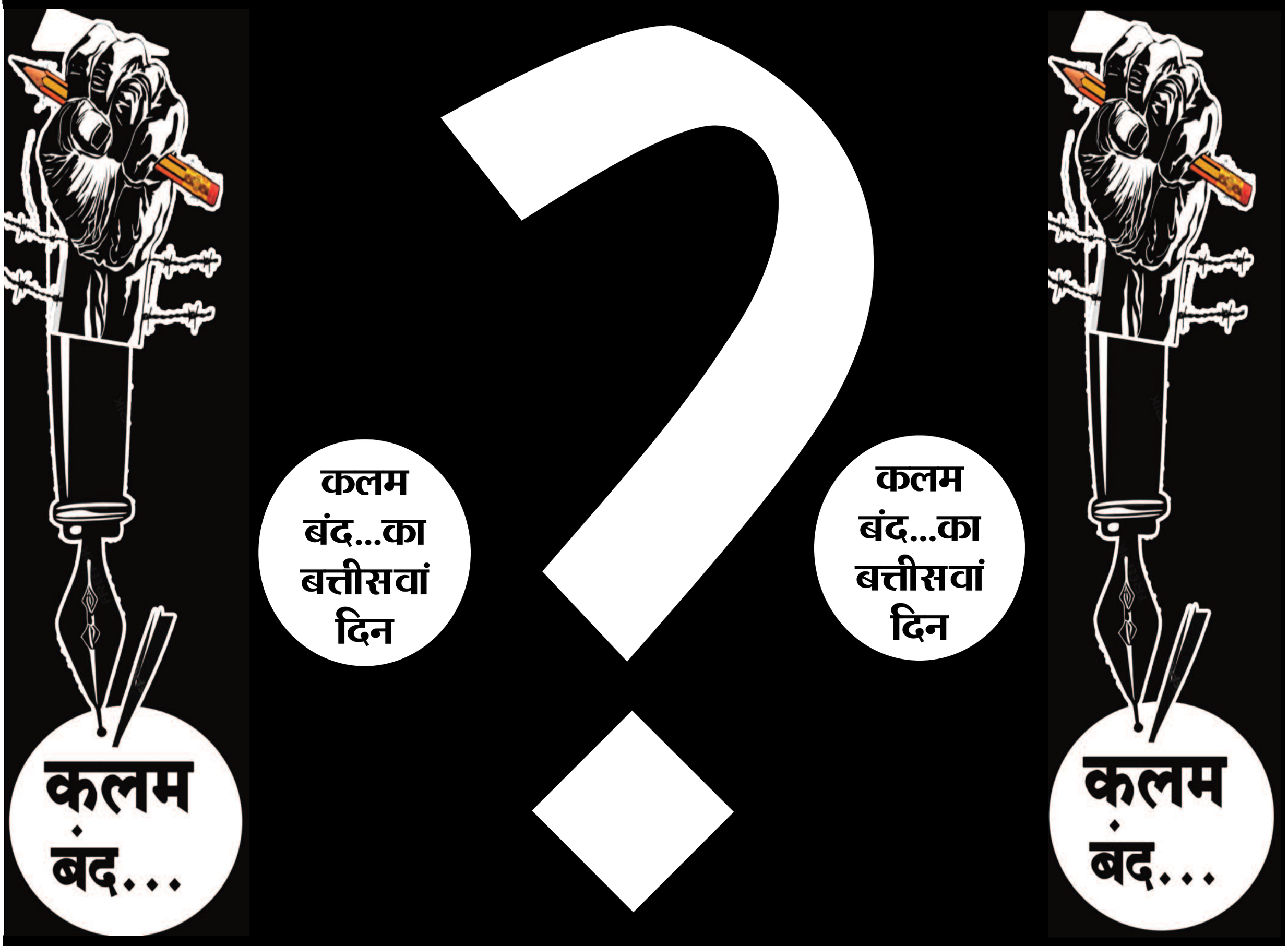

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,31 जुलाई 2024(घटती-घटना) | भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

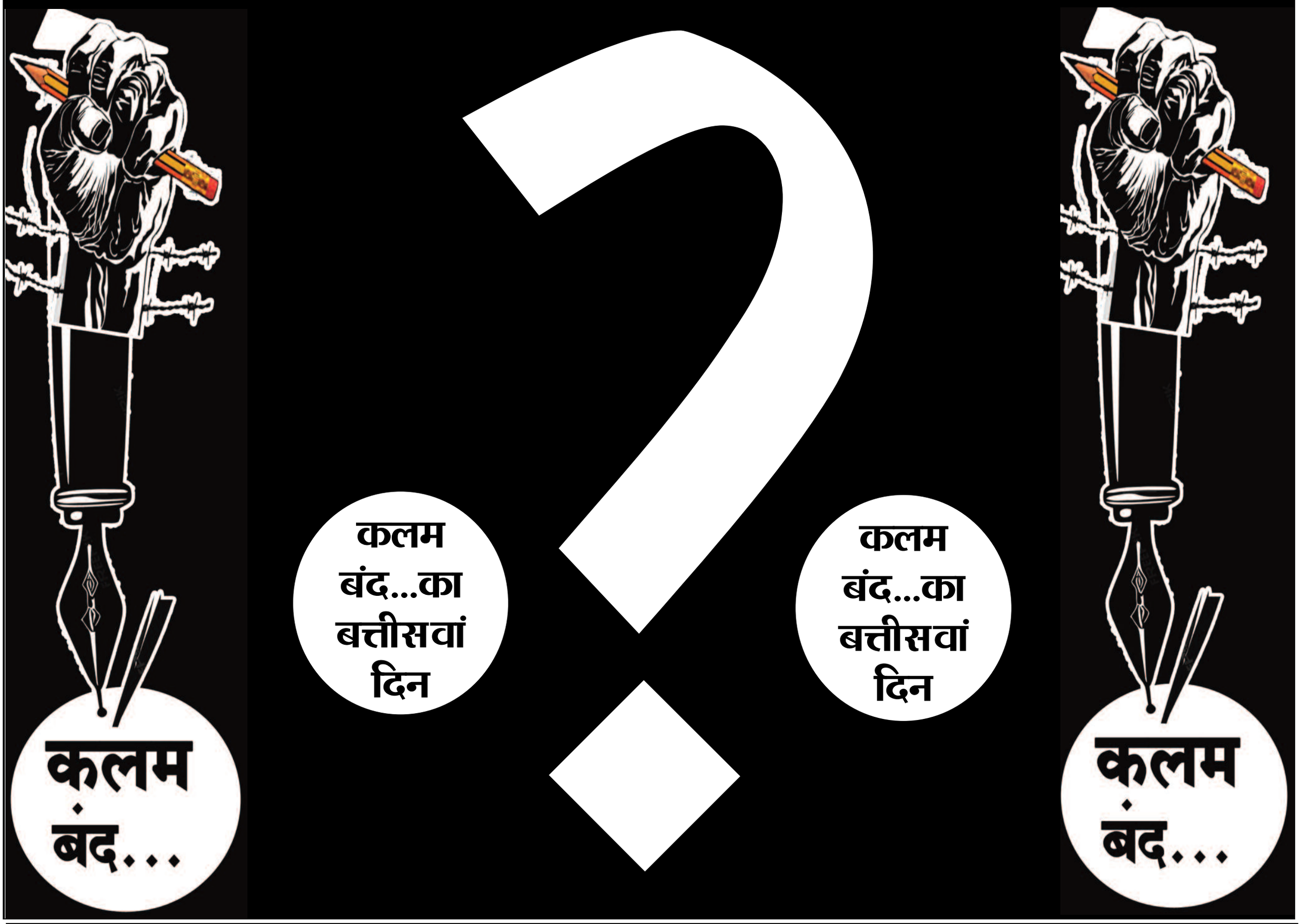

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 31 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

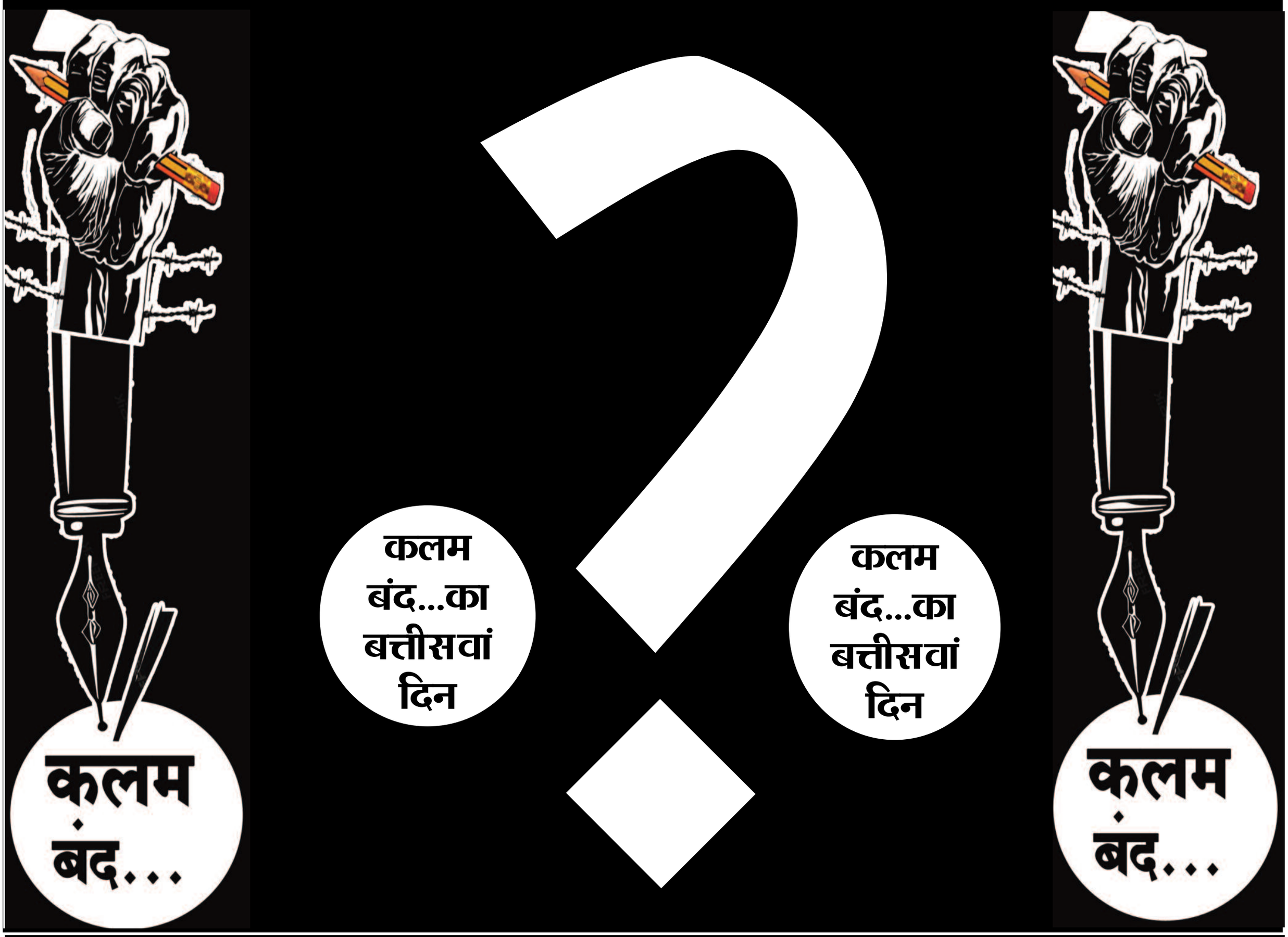

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

पीवी सिंधु के बाद लक्ष्य का भी शानदार प्रदर्शन

» विश्व नंबर 3 खिलाड़ी को हराकर सीधे प्री-क्वार्टर फाइनल में ली एंट्री

पेरिस,31 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में 5वें दिन की शुरुआत भारत के लिए काफी अच्छी रही जिसमें स्टार टेनिस खिलाड़ी पीवी सिंधु ने अपने दूसरे ग्रुप मुकाबले में एस्टोनिया की क्रिस्टा कुउबा को सीधे 2 सेटों में मात देने के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। सिंधु का अब तक पेरिस ओलंपिक में दोनों ही मैचों में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने एकतरफा तरीके से मैच को को अपने नाम किया है। इस मुकाबले को भी सिंधु ने लगभग 34 मिनट के अंदर ही खत्म कर दिया। वहीं लक्ष्य सेन ने भी पुरुष बैडमिंटन सिंगल के ग्रुप स्टेज मैच में इंडोनेशिया के जोनाटन क्रिस्टी को सीधे 2 सेटों में मात देने के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है।

क्रिस्टा कुउबा को नहीं दिया दोनों सेटों में वापसी का कोई मौका

पीवी सिंधु ने एस्टोनिया की खिलाड़ी क्रिस्टा कुउबा के खिलाफ ग्रूप स्टेज के इस मुकाबले के पहले सेट को 21-5 के अंतर से अपने नाम किया। इस मैच में पीवी सिंधु ने दूसरे सेट को 21-10 से अपने नाम करने के साथ मुकाबले को सीधे लगातार 2 सेटों में जीतने के साथ इस मुकाबले को अपने नाम किया और प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह को पक्का कर लिया। इससे पहले सिंधु ने ग्रुप-एम में अपने पहले मुकाबले में मालदीव की फातिमा नबाहा अब्दुल रज्जाक को हराया था। इस मैच को भी सिंधु ने 21-9 और 21-11 से अपने नाम किया था।

लक्ष्य सेन ने भी दर्ज की शानदार जीत

भारत के पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में मेंस सिंगल राउंड में अपने ग्रूप मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया के बेहतरीन खिलाड़ी जोनाटन क्रिस्टी को लगातार 2 सेटों में मात देने के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। लक्ष्य जो पहले सेट की शुरुआत में थोड़ा पीछे चल रहे थे उन्होंने बाद में वापसी करने के साथ उसे 21-18 से उसे अपने नाम किया। वहीं दूसरे सेट में लक्ष्य ने जोनाटन को बिल्कुल भी वापसी का कोई मौका नहीं देते हुए उसे 21-12 से अपने नाम किया और प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया।

ओलंपिक फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक

मैदान में घुसा दर्शक

पेरिस,31 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक हुई जब अमेरिका और गिनी के बीच खेले गए मैच के दौरान एक दर्शक मैदान में घुस गया। यहां स्टेड जियोफ्रॉय गुइचार्ड में अमेरिका की गिनी पर 3-0 की जीत के आखिर में एक व्यक्ति ने मैदान पर दौड़ लगाई। इसी स्टेडियम में अर्जेंटीना और मोरक्को के बीच खेले गए मैच के दौरान दर्शकों ने उपद्रव मचाया था। मोरक्को के प्रशंसक तब मैदान में घुस आए थे जिससे खेल दो घंटे तक रोकना पड़ा था। अमेरिका और गिनी के बीच मैच के दौरान मैदान पर दौड़ लगाने वाला दर्शक गिनी के अलीउ बाल्डे से भिड़ गया था। सुरक्षा कर्मियों ने बाद में उसे पकड़ कर बाहर निकाला।

जो रूट का नंबर 1 की कुर्सी पर कब्जा

» रोहित शर्मा और बाबर आजम को भी फायदा

बर्मिंघम,31 जुलाई 2024। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज के बाद आईसीसी ने नई टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। इंग्लैंड के कप्तान रहे जो रूट ने इस सीरीज के दौरान खूब रन बनाए। इसका फायदा उन्हें मिलता हुआ दिख रहा है। इस बीच लंबे समय से नंबर वन की कुर्सी पर काबिज रहने के बाद केन विलियमसन अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। खास बात ये है कि भारत के कप्तान रोहित शर्मा और पाकिस्तान के बाबर आजम को बिना खेले ही रैंकिंग में फायदा मिला है।आईसीसी की ओर से जारी की गई नई टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट नंबर वन बन गए हैं। उनकी रेटिंग अब बढ़कर 872 हो

गई है। उन्होंने एक स्थान की छलांग मारी है। वहीं अब न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनकी रेटिंग 859 की है। इस बीच पाकिस्तान के बाबर आजम फिर से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। उनकी रेटिंग 768 की है। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल भी एक स्थान के फायदे के साथ नंबर तीन पर ही हैं, उनकी रेटिंग भी 768 की है। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ अब आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में एक स्थान की छलांग के साथ नंबर 4 पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 757 की है। भारत के कप्तान रोहित शर्मा को भी एक स्थान का फायदा हुआ है। वे अब 751 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर आ गए हैं।

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को हुआ बड़ा नुकसान

इस बीच इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। उन्हें एक साथ चार स्थानों का नुकसान हुआ है। वे अब सीधे नंबर 7 पर आ गए हैं। उनकी रेटिंग 749 की है। हैरी ब्रूक के इतने नीचे आने का फायदा ही रोहित शर्मा, बाबर आजम, स्टीव स्मिथ और डेरिल मिचेल को मिला है। भारत के यशस्वी जायसवाल 740 की रेटिंग के साथ नंबर 8, श्रीलंका के दमुथ करुणारत्ने 739 की रेटिंग के साथ नंबर 9 और भारत के विराट कोहली 737 की रेटिंग के साथ 10 पर बने हुए हैं। इनकी रेटिंग में कोई भी बदलाव नहीं हुआ है।

यशस्वी जायसवाल ने रैंकिंग में लगाई लंबी छलांग

सूर्यकुमार यादव फिर चूके

कोलंबो,31 जुलाई 2024। भारत और श्रीलंका के बीच खेली जा रही टी20 मैचों की सीरीज खत्म हो गई है। भारत ने श्रीलंका का सूपड़ा साफ कर दिया है। इस बीच आईसीसी की ओर से टी20 की नई रैंकिंग भी जारी कर दी गई है। इसमें सूर्यकुमार यादव को फायदा तो हुआ है, लेकिन वे फिर से नंबर वन बनने से चूक गए। भारत के ही सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को जबरदस्त फायदा हुआ है। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पछाड़ दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज, सूर्यकुमार यादव दूसरे स्थान पर

आईसीसी की ओर से जारी की गई टी20 की नई रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ही नंबर वन की कुर्सी पर काबिज हैं। उनकी रेटिंग इस वक्त 844 की है। इस बीच अगर भारत के सूर्यकुमार यादव की बात

की जाए तो उन्होंने पिछले तीन मैचों में श्रीलंका के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की है, जिसका फायदा उन्हें रेटिंग में मिला है, बावजूद इसके वे अभी भी नंबर दो पर ही हैं। इससे पहले सूर्यकुमार यादव की रेटिंग 797 की थी और वे इंग्लैंड के फिल साल्ट के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर थे। अब उनकी रेटिंग बढ़कर 805 की हो गई है। लेकिन फिर भी नंबर दो पर ही हैं। हालांकि अब पहले और दूसरे नंबर के बीच रेटिंग का अंतर कम हो गया है। वहीं बात अगर फिल साल्ट की करें तो वे एक स्थान के नुकसान के साथ नंबर 3 पर चले गए हैं। उनकी रेटिंग 797 की है।

यशस्वी जायसवाल ने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पछाड़ा

इस बीच भारत के यशस्वी जायसवाल ने कमाल किया है। उनकी रेटिंग अब 757 की हो गई है। वे अब नंबर 4 पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़ दिया है। जायसवाल को दो स्थानों का फायदा मिला है। बाबर आजम की रेटिंग 755 की है और वे एक स्थान के नुकसान के साथ नंबर 5 पर चले गए हैं। मोहम्मद रिजवान को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 746 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर खिसक गए हैं।

रुतुराज गायकवाड भी टॉप 10 में बरकरार

इसके बाद की रेटिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। इंग्लैंड के जॉस बटलर 716 की रेटिंग के साथ नंबर 7, भारत के रुतुराज गायकवाड 664 की रेटिंग के साथ नंबर 8 और वेस्टइंडीज के ब्रेंडन किंग 656 की रेटिंग के साथ नंबर नौ पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के ही जॉनसन चार्ल्स 655 की रेटिंग के साथ नंबर 10 पर अपनी जगह बरकरार रखने में सफल हो गए हैं। यानी यहां बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं, क्योंकि इन खिलाड़ियों ने इस दौरान कोई भी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला ही नहीं है।

टेबल में श्रीजा अकुला और मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन अगले राउंड में बनाई जगह

पेरिस,31 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में टेबल टेनिस में भारतीय प्लेयर्स बहुत ही शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मनिका बत्रा के बाद श्रीजा अकुला भी राउंड-16 में जगह बना चुकी हैं। इन दोनों प्लेयर्स बेहतरीन फॉर्म में चल रही हैं। भारतवासियों को इन प्लेयर्स से मेडल की उम्मीदें जग गई हैं। ओलंपिक के इतिहास में अभी तक टेबल टेनिस में कोई भी भारतीय प्लेयर मेडल नहीं जीत पाया है।

श्रीजा अकुला ने जीता मुकाबला

श्रीजा अकुला ने सिंगापुर की जियान झेंग को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। राउंड-32 में दोनों प्लेयर्स के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। लेकिन अंत में बाजी श्रीजा अकुला के हाथ लगी। अकुला ने झेंग को कड़े मुकाबले में 4-2 से हराया। श्रीजा ने 9-11, 12-10, 11-4, 11-5, 10-12, 12-10 से जीत दर्ज की। श्रीजा ने 51 मिनट तक चला यह मुकाबला पहला गेम गंवाने के बाद जीता।

लवलीना ने क वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सुन्निवा हॉफस्टैड को 5-0 से एकतरफा अंदाज में मात दी है। लवलीना के आगे सुन्निवा टिक नहीं पाई और लवलीना ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने विरोधी मुक्केबाज को कोई मौका नहीं दिया। उन्हें मुकाबला जीतने में कोई परेशानी नहीं आई। मैच के आखिर में सभी जजों ने फैसला लवलीना के पक्ष में दिया।

टॉप 3 के लिए तगड़ी लड़ाई

» दो मेडल जीतकर भी भारत 33 वें नंबर पर पहुंचा

पेरिस,31 जुलाई 2024। पेरिस में खेले जा रहे ओलंपिक 2024 के अब 4 दिन पूरे हो गए हैं। इस बीच मेडल टैली में देशों के बीच गजब का घमासान मचा हुआ है। खिलाड़ी अपने अपने खेल में जीतकर अपने देश को आगे ले जाना चाहते हैं। खास तौर पर टॉप 3 में तगड़ी लड़ाई देखने के लिए मिल रही है। भारत ने अब तक दो मेडल अपने नाम किए हैं, लेकिन इसके बाद भी मेडल टैली में काफी नीचे नजर आ रहा है। हालांकि आने वाले दिनों में अगर कुछ और मेडल आए तो आगे जाने की संभावना भी दिख रही है।

जापान इस वक्त मेडल टैली में सबसे आगे

पेरिस ओलंपिक में चार दिन बाद मेडल टैली की बात की जाए तो जापान की टीम टॉप पर पहुंच गई है। जापान ने अब तक कुल 13 मेडल अपने नाम किए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। इतने गोल्ड मेडल अभी तक किसी भी दूसरे देश ने नहीं जीते हैं। बात

अगर दूसरे नंबर की करें तो चीन यहां पर काबिज है। चीन ने 6 गोल्ड, 6 सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। यानी उसके पास कुल मिलाकर 14 मेडल अब तक आ चुके हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। उसने अब तक 11 मेडल जीते हैं। इसमें 6 गोल्ड, 4 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल है।

फ्रांस और अमेरिका का ये है हाल

मेजबान देश फ्रांस अब नीचे आ गया है। वहीं अमेरिका की हालत भी कुछ पतली हुई है। हालांकि नंबर चार पर फ्रांस ही है। उसने अब तक 5 गोल्ड, 9 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। उसके पास कुल 18 मेडल हैं। कोरिया ने 5 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। बात अमेरिका की करें तो उसके पास सबसे ज्यादा 26 मेडल हैं, लेकिन गोल्ड कम हैं, इसलिए उसे इस वक्त छठे नंबर से ही संतोष करना पड़ रहा है। अमेरिका ने 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 11 ही ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। इससे उसके पास 26 मेडल हो गए हैं।

अब बात करते हैं भारत की भारत ने अब तक दो मेडल जीते हैं, लेकिन दोनों के दोनों ब्रॉन्ज मेडल हैं। भारत इस वक्त मेडल टैली में 33वें स्थान पर है। इस बीच कुछ मौके आए, जहां भारत मेडल अपने नाम कर सकता था, लेकिन आखिरी मौके पर खिलाड़ी चूक गए। हालांकि अभी चार ही दिन हुए हैं और काफी वक्त बचा है। भारतीय एथलीट अपने अपने मुकाबले जीतकर आगे बढ़ रहे हैं, ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही भारत कुछ और मेडल जीतकर अपने स्थिति मेडल टैली में और भी मजबूत करेगा।

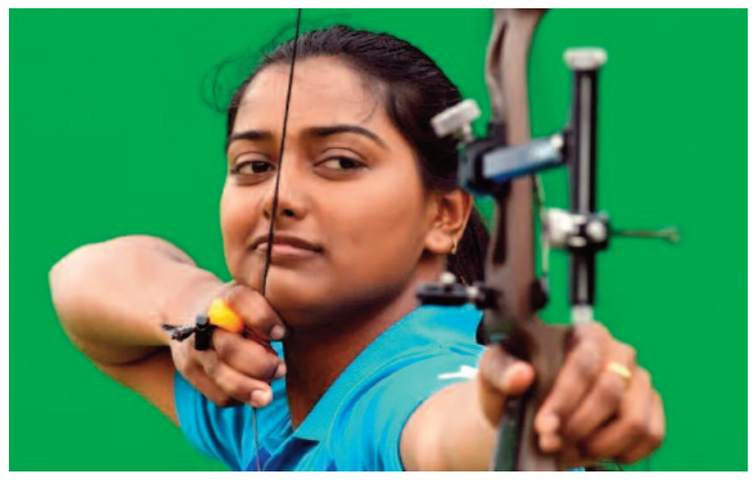

दीपिका कुमारी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

शानदार अंदाज में जीता मुकाबला

पेरिस,31 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 के चौथे दिन भारत के लिए दूसरा मेडल शूटिंग के मिक्सड इवेंट में आया जिसमें मनु भाकर और सरबजोत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। वहीं भारतीय हॉकी टीम ने आयरलैंड के खिलाफ मैच में 2-0 के अंतर से जीतने के बाद क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। वहीं पांचवें दिन भी भारतीय एथलीट्स एक्शन में दिखाई देंगे जिसमें पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय बैडमिंटन में ग्रुप स्टेज मुकाबला खेलेंगे। इसके अलावा टेबल टेनिस में श्रीजा अकुला जहां राउंड 32 में एक्शन में दिखाई देंगी तो वहीं मनिका बत्रा प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सहिस्ता बानो पत्नी नईम अहमद, यास्मीन बानो पत्नी रियाज अहमद दोनों जाति जुलाहा (मुसलमान) निवासी डॉ0 गुप्ता गली सदर रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला खरसिया रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-8 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2829/4 रकबा 0.05 एकड़ (2178 वर्गफीट) भूमि में से रकबा 16x60=960 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/विक्रेता से पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 23.02.2024 के माध्यम से क्रय करने के कारण अपने पक्ष में नामांतरण कराने हेतु संहिता धारा 109,110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ विक्रय पत्र मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति पेश की गई है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21/08/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सौभिक आचार्य आ0 पी0के0 आचार्य निवासी विजय मार्ग अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1011/22 रकबा 870.80 वर्गफीट भूमि से प्रस्तावित नक्शानुसार भू-तल पर रकबा 75.04 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 46.92 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय/व्यवसायिक भवन निर्माण कराने की अनुमति हेतु आवेदन भवन निर्माण अनुज्ञा शाखा में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 21/08/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका लीलावती सिंह पति गुणा सागर यादव जाति रौनियार निवासी धोधागांव तहसील सीतापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम हर्राटिकरा तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा(छ0ग0) खसरा नंबर 1/60 रकबा 0.013 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,नक्शा, ले-आऊट, पंचायत प्रस्ताव, अनुमति आदेश की प्रति,रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो, निर्धारित सुनवाई तिथि 16/08/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर

वेदांग रैना को डेट कर रही हैं खुशी कपूर

मोबाइल पर लगे वॉलपेपर ने रिश्ते पर लगा दी मुहर!

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटियां जान्हवी कपूर और खुशी कपूर अक्सर चर्चा में रहते हैं। दोनों ही बहनें बॉलीवुड में अपने पैर जमा रही हैं और इस बीच पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं। जान्हवी कई दफा इशारों में शिखर पहाड़िया को डेट करने की बात कबूल चुकी हैं, वहीं खुशी का नाम उनके सबसे अच्छे दोस्त वेदांग रैना से जुड़ता आया है। अब कुछ ऐसा हुआ है कि फैंस दावा कर रहे हैं कि खुशी ने वेदांग संग अपने रिश्ते को कंफर्म कर दिया है। खुशी कपूर को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। उनके हाथ में उनका मोबाइल फोन था, जिसपर लगी वॉलपेपर साफ दिख रही थी। इसमें खुशी, वेदांग, जान्हवी और शिखर नजर आए। ये फोटो तब की है, जब अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की संगीत सेरेमनी हुई थी। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और खुशी-वेदांग के रिश्ते की चर्चा भी हो रही है। साल 2022 में वेदांग का नाम श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी से जुड़ा था। कहा जा रहा था कि दोनों जमाने से छिपकर इश्क फरमा रहे हैं और श्वेता भी इस रिश्ते से खुश हैं। हालांकि, अब पलक सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ नजर आती हैं और दोनों की डेटिंग की खूब अफवाह उड़ती है।

सलमान खान के साथ तो हमेशा ही वो डर रहता है

जरीन खान ने सुनाए वीर के किस्से, बताया एक्टर को घूरने की वजह

एक्ट्रेस जरीन खान, जन्हें सलमान खान ने फिल्म वीर से लॉन्च किया था। वह पर्दे से फिलहाल गायब हैं। उनका कोई खास प्रोजेक्ट देखने को नहीं मिला। अब उन्होंने एक इंटरव्यू में एक्टर के बारे में बात की है। सलमान के स्वभाव से लेकर उनके साथ सेट पर बिताए पलों के बारे में कुछ किस्से भी सुनाए हैं। उन्होंने बताया कि सलमान से थोड़ी घबराहट होती थी। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि वह एक्टर को घूरती भी रहती थीं।

भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्क में इस बार मेहमान जरीन खान थीं। उनसे सवाल किया गया कि जब उन्होंने सलमान खान के साथ पहला शॉट किया था तो क्या उनको डर लगा था? इस पर उन्होंने कहा, सलमान खान के साथ तो हमेशा ही वो डर रहता है। डर से ज्यादा वो थोड़ा उनका इंटीमिडेशन। सलमान इतने अच्छे इंसान है न कि उन्होंने मुझे उस तरह का कूछ महसूस नहीं होने दिया। जैसे में अगर थोड़ा डर जाऊं तो वह कुछ ऐसा बोल देते थे, जिससे मुझे अच्छा लग जाए।

जरीन खान सलमान खान को घूरती रहती थीं

जरीन खान ने आगे कहा, मैं तो उनके आसपास एक क्रीप की तरह थी शूट के दौरान। जैसा मुझे याद है कि शॉट के बाद रेस्ट के समय वैन के बाहर बैठी रहती थी और सलमान

अपना कुछ रहते रहते थे। तो मैं उनको घूरती रहती थी। फिर वो पूछते थे कि क्या हुआ? तो मैं कहती कि मुझे यकीन नहीं हो रहा कि आप मेरे सामने बैठे हो। बचपन से आपकी फिल्में देखी हैं। पूरी फैमिली आपकी बड़ी फैन है।

सलमान खान का पीछा करती थीं जरीन खान

जरीन खान ने आगे बताया, जब मैं कॉलेज में थी, मुझे याद है कि कैसे वह कार्टर रोड पर साइकिल चलाते थे। और मैं उनका पीछा करका था। मुझे यकीन है कि उन्हें याद भी नहीं होगा क्योंकि मैं अपनी साइज से डबल-ट्रिपल थी साइज में, उनसे मिलने से पहले। उनका पीछा किया। उनको हाय-हेलो बोला। और आज मैं उनके सामने बैठी हूं। यही सब सोचकर मैं उनको घूरती रहती।

जरीन खान की फिल्में

बता दें कि जरीन ने 'हाउसफुल 2', 'हेट स्टोरी 3', 'वजह तुम हो', 'अक्सर 2' और '1921' जैसी फिल्में की हैं। आखिरी बार 'हम भी अकेले तुम भी अकेले' में नजर आई थीं। लेकिन उन्हें ज्यादा पॉप्युलैरिटी नहीं मिला। उनका करियर ठप्प ही रहा।

खुला पत्र

स्वास्थ्य मंत्री ने घटती-घटना संपादक के घर...देर रात विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम एवं विहिप नेता अमित श्रीवास्तव को आखिर क्यों भेजा...?

- कार्यवाही से ठीक पहले क्यों पूरी रात घर पर बैठे थे... विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी और विहिप नेता...
- संपादक ने कहा...स्वास्थ्य मंत्री ने पीछे से छूरा घोपा...
- अडिग संपादक ने कहा... नहीं बंद होगा कलम बंद अभियान....
- कलम बंद अभियान बंद कराने मंत्री के ओएसडी सहित प्रतिनिधि संपादक के घर 4 बजे भोर तक बैठे रहे... और सुबह 5 बजे प्रेस कार्यालय पर चला बुलडोजर...
- एक ओएसडी मामले को शांत कराने की कर रहा था पहल...तो दूसरा ओएसडी प्रशासन को बुलडोजर चलाने के लिए कर रहा था मजबूर...

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर, 31 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश की विष्णु सरकार ने नारा दिया है, विष्णु का सुशासन, लेकिन घटती-घटना अखबार के संपादक के व्यावसायिक परिसर को गिराकर इस सरकार ने सुशासन का अनुपम उदाहरण पेश किया है, ऐसा उदाहरण जो सदियों तक याद रखा जाएगा और जिसकी सर्वत्र निंदा ही हो रही है। इससे पहले कि संपादक के व्यवसायिक परिसर को गिराया जाता स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अपने विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम और विश्व हिंदु परिषद के नाम पर हिंदुत्व का ढिंढोरा पीटने वाले बैकुंठपुर निवासी अमित श्रीवास्तव को संपादक अविनाश सिंह के घर देर रात भेजा तमाम बातें हुई,कई तरीके से दबाव बनाने का प्रयास किया गया। उक्त अधिकारी और विहिप नेता पूरी रात एक षडयंत्र के तहत संपादक के घर पर बैठे रहे,पूरी रात शोक संतप्त संपादक को सोने नहीं दिया गया उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने की भरपूर कोशिश की गई किसी भी तरह से घटती-घटना का कलम बंद अभियान बंद हो जाए इसके लिए पूरी रात दबाव डाला गया,जब संपादक ने उनकी बातों पर हामी नही भरी तो उनके जाने के एक घंटे बाद ही प्रशासनिक टीम वहां पहुंच गई और कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

रात 10:15 से 4 बजे तक बैठे रहे अधिकारी और विहिप नेता

घटती-घटना अखबार के संपादक अविनाश सिंह ने इस बारे में अपने सोशल मीडिया पर भी इस आशय का पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि खुला पत्र-सरकार बरसात में सब आदेश 23 जुलाई 2024 को नोटिस मिला 26 जुलाई 2024 को देर शाम 6:48 पर..मोहलत व अपना पक्ष के लिए निवेदन दिये 26 जुलाई 2024 की देश शाम 6:50 पर...बेदखल करने अमला पहुंचा 28 जुलाई 2024 के प्रातः 5 बजे..हद है स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ श्यामबिहारी जायसवाल जी...आपने-अपने प्रतिनिधि दल को पिता के निधन से शोक ग्रस्त संपादक के घर 27 जुलाई 2024 को रात लगभग 10:15 बजे से भोर लगभग 4 बजे तक कलम बंद आंदोलन को रोकने गुजारिश करवाये...और पीछे से छुरा घोप दिये...आखिर डीपीएम प्रिंस जायसवाल व ओएसडी संजय मरकाम कौन सा नब्ज दबा दिये जो ब्यूरोक्रे सी से आनन-फानन में अत्याचार करवाना पड़ा...आखिर पहले हुए सभी जांच नशे में किये क्या...अधिकारी कर्मचारी..? जवाब की प्रतिक्षा...

पूरी रात दिया गया दबाव

जैसा कि अखबार के संपादक अविनाश सिंह का कहना है स्वास्थ्य मंत्री के इशारे पर विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम, विश्व हिंदु परिषद के नेता अमित श्रीवास्तव और बैकुंठपुर निवासी दिव्य वैद्य सहित अन्य रात 10:15 से अल सुबह 4 बजे तक उनके घर पर बैठे रहे, रात पर तरह तरह से दबाव बनाने की कोशिश की गई, संजय मरकाम ने मंत्री के कई संदेशो को उन तक बतलाया। साथ में विहिप नेता के द्वारा भी कलम बंद अभियान खत्म करने की बात कही जाती रही। शोक संतप्त पुत्र को पिता के जाने का गम अभी ताजा था और विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी तथा विश्व हिंदु परिषद के नेता ने रात भर उन पर दबाव डालने का कृत्य किया। संपादक को रात भर जानबूझकर सोने नही दिया गया। संपादक ने निडरता और निष्पक्षता का परिचय देते हुए उनके दबाव को नजरअंदाज किया और कहा कि यह अभियान जारी रहेगा।

क्या यही है विहिप नेता का असली चेहरा

बैकुंठपुर निवासी विश्व हिंदु परिषद के नेता अमित श्रीवास्तव द्वारा हिंदुत्व का चोला पहनकर हिंदु रक्षा करने का ढिंढोरा पीटा जाता है, दावा किया जाता है कि हिंदुत्व के लिए ही उनके लिए काम किया जाता है। लेकिन अगली सुबह होने वाली कार्यवाही की जानकारी होने के बावजूद षडयंत्र में वे शामिल रहे सवाल उठता है कि आखिर क्या यही विहिप नेता का असली चेहरा है।

क्या संगठन को थी विहिप नेता के उक्त कृत्य की जानकारी

सूत्रों का कहना है कि विहिप नेता अमित श्रीवास्तव के द्वारा इन दिनों स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत कई कार्य किये जा रहे हैं, विहिप के नाम पर अधिकारियों पर दबाव डाला जाता है। विहिप नेता का संपादक के घर पहुंचना कई सवालों को जन्म देता है। क्या संगठन को विहिप नेता के उक्त कृत्य की जानकारी थी,क्या विहिप नेता को सुबह की कार्यवाही की जानकारी थी। सवाल अभी कई हैं जो क्रमशःपूछे जाएंगे। और ऐसे नेताओं का असली चेहरा उजागर किया जाएगा।

रात भर बैठे थे...जाते ही हुई कार्यवाही...मालूम था इन्हें सुबह क्या होगा...

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के इशारे पर विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम और विहिप नेता रात भर संपादक के घर बैठे रहे यह जानते हुए कि वर्तमान में संपादक के घर शोक का माहौल है। पितृशोक में ज्येष्ठ पुत्र की क्या हालत होती है यह एक साधारण आदमी भी अच्छे से समझता है,लेकिन अधिकारी और विहिप नेता ने इन सबसे अलग होकर दूसरा रास्ता अपनाया है। रात भर एक शोक संतप्त पुत्र को सोने नही दिया यह समझा जा सकता है कि उन्हे मानसिक रूप से परेशान करने की भरपूर कोशिश रात भर की गई। जब बात नहीं बनी तो भोर में 4 बजे वे दोनो संपादक के घर से रवाना हुए, अंधेरे में उनका संपादक के घर जाना सवाल खड़े करता है। संभावना पूरी है कि इन्हे अगली सुबह होने वाली कार्यवाही की जानकारी अच्छे से थी, इसलिए वे सुबह होने से पहले ही वहां से निकल पड़े। इनके जाने के 1 घंटे बाद ही प्रशासनिक टीम का यहां पहुंचना एक षडयंत्र की ओर ही इशारा करता है।

आखिर क्यों घबराये हुए थे संजय मरकाम

स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम जो कि फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं हाल ही में प्रदेश दिव्यांग संघ ने भी सूची जारी किया है और जिसमें फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे शासकीय सेवकों का नाम अंकित किया गया है इस सूची में संजय मरकाम का नाम भी शामिल है और उनकी नौकरी पर खतरे का बादल मंडरा रहा है। संपादक के घर देर रात तक विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी बैठे हुए थे संपादक पर तरह-तरह से दबाव डालने की कोशिश में यह देखने को मिला कि संजय मरकाम घबराये हुए हैं खुद के खिलाफ प्रकाशित हो रही सत्य खबर से आने वाले समय में उनके लिए खतरा पैदा हो सकता है इस बात का भय उनके चेहरे पर साफ दिखलाई दे रहा था। उनके द्वारा यहां तक कहा गया कि मुझे छोड़ दीजिए। जाहिर है फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी हासिल कर उनके द्वारा दूसरे वास्तविक दिव्यांग का हक मारा गया है इसलिए अखबार द्वारा उनकी सच्चाई सामने लाई जा रही थी।

दिन में भेजना जरूरी क्यों नहीं समझा गया

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने एक प्रकार से संपादक को डराने-धमकाने के लिए ही अपने प्रतिनिधि बतौर संजय मरकाम और अमित श्रीवास्तव को संपादक के घर भेजा था, यदि उनका उद्वेश्य वास्तव में डराना-धमकाना नहीं बल्कि सुलह करना था...तो देर रात भेजना ही जरूरी था...क्या यह सवाल उठना लाजमी है...। अंधेरे में संपादक के घर आना...और सुबह होने से पहले ही निकल जाना... कई प्रकार के संदेहो को जन्म देता है। हो सकता है संपादक के साथ रात में कोई अप्रिय घटना भी घटित हो सकती थी।

स्वास्थ्य मंत्री के षडयंत्र से पहुंचे थे उक्त अधिकारी और विहिप नेता

इतना तो तय है कि विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम,विहिप नेता अमित श्रीवास्तव और दिव्य वैद्य नामक युवक स्वास्थ्य मंत्री के षडयंत्र के तहत ही रात के अंधेरे में वहां पहुंचे थे। खबर है कि सीएम हाउस को भी इसमें विश्वास में लिया गया था,लेकिन क्या सीएम हाउस और खुद मुखिया विष्णुदेव को पूरी सच्चाई से अवगत कराया गया था,क्या उन्हे यह बतलाया गया कि अखबार द्वारा कलम बंद अभियान आखिर क्यों शुरू किया गया है। कई तरह के प्रश्न अब खड़े हो रहे हैं। बतलाया जाता है कि मंत्री के ओएसडी आशुतोष पांडेय ने भी इस कार्यवाही के लिए पूरी प्लानिंग की थी उन्होने ही सीएम हाउस के अधिकारियों को पूरी तरह से दिग्भ्रमित कर इस कार्यवाही को अंजाम दिलाया है। हालाकि अभी पूरी सेवा उन्हें इसी छत्तीसगढ़ में देनी है,अभी तो कई उतार चढाव देखने को मिलेंगे। घटती-घटना अखबार के शोक संतप्त संपादक पर आपने जो गलत समय पर कार्यवाही का रास्ता अपनाया है उसे भविष्य में जरूर याद दिलाया जाएगा,वक्त का इंतजार कीजिए।

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक... अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)